भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
लोक उद्यम विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 593
दिनांक 25 जून, 2019 को उत्तर देने के लिए
घाटे में चल रहे सरकारी उपक्रम

593. श्री जी० एम० सिद्देश्वरा:

क्या **भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान रुग्ण सरकारी क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू) का घाटे का तिमाही आधार पर ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त अवधि के दौरान उपक्रमों की संख्या में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो रुग्ण उपक्रम-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या यह सही है कि सरकार इन रुग्ण उपक्रमों को निजी क्षेत्र को दे रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री
(श्री अरविन्द गणपत सावंत)

(क) से (ग) : लोक उद्यम विभाग के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार दिनांक 31.03.2016, 31.03.2017 और 31.03.2018 को नकारात्मक निवल मूल्य वाले क्रमशः 48, 54, 56 सीपीएसईज़ थे। लोक उद्यम विभाग ने दिनांक 29.10. 2015 को "रुग्ण/ प्रारंभिक रुग्ण और कमजोर केंद्रीय सरकारी लोक उद्यमी (सीपीएसईज़) के पुनरुद्धार और पुनर्गठन के तंत्र को सुदृढ़ बनाने" पर दिशा निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा निर्देशों के अनुसार नकारात्मक निवल मूल्य वाले सीपीएसई को रुग्ण माना गया है। प्रशासनिक मंत्रालय/ विभाग अपने नियंत्रणाधीन कार्यरत रुग्ण/ प्रारंभिक रुग्ण/ कमजोर केंद्रीय सरकारी लोक उद्यमों को अभिनिर्धारित करने, निगरानी करने और समय पर निवारणात्मक उपाय करने के लिए उत्तरदायी है। संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय/ विभाग रुग्ण और घाटा उठाने वाले सीपीएसईज़ के संबंध में मामला दर मामला आधार पर विद्यमान दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हैं।

*****